साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 | अंक : 07 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

2.51 लाख रु. की धोखाधड़ी

गोंदिया-तिरोड़ा तहसील के एकोड़ी निवासी आरोपी रोशन प्रितीचंद मेश्राम (52) ने अपने वाहन क्र. एमएच 35 वी 2364 से संबोधी बौद्ध विहार संविधान चौक अर्जुनी मोरगांव में जाकर बौद्ध महिलाओं को श्रीलंका का विहार देखने के लिए फ्लाइट से ले जाने का लालच देकर महिलाओं के साथ 2 लाख 51 हजार 300 रु. की धोखाधड़ी की.

उमड़ा जनाक्रोश बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का सकल समाज ने किया कड़ा विरोध कार्रवाई की मांग हजारों उतरे सड़कों पर

बुलंद गोंदिया। बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमले के विरोध में गोंदिया में हजारों की संख्या में लोग जन आक्रोश रैली में शामिल होकर सड़क पर उतर आए। इस दौरान बांग्लादेश के विरोध में नारेबाजी कर कदम उठाने की मांग की गई। जन आक्रोश रैली सुबह 10:00 बजे से आंबेडकर चौक जयस्तंभ परिसर से निकलकर शहर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण कर राष्ट्रगान के साथ रैली का समापन डॉ बाबासाहेबआंबेडकर चौक परिसर में ही किया गया। जहां पर बड़ी संख्या में महिला - पुरुष उपस्थित थे।

गौरतलब है की बांग्लादेश में सत्ता का तख्ता पलटने के बाद से लगातार बांग्लादेश के हिंदुओं पर अन्याय अत्याचार किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। हिंदुओं पर अत्याचार बंद हो इस मांग को लेकर हिंदू संगठन द्वारा ठोस कदम उठाने की मांग लगातार की जा रही है। गोंदिया में भी सकल हिंदू समाज गोंदिया की ओर से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में जन आक्रोश रैली का आयोजन 22 सितंबर रविवार को किया गया था । आयोजित जन आक्रोश रैली में शामिल होने के लिए रविवार को सुबह से ही जय स्तंभ चौक परिसर में एकत्रित हो गए थे ।

कुछ ही समय में विशाल जन समूह देखा गया । उसके बाद डॉ बाबासाहेब आंबेडकर चौक परिसर से हजारों की संख्या में लोग जन आक्रोश रैली में शामिल होकर शहर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण करते हुए बांग्लादेश के विरोध में नारे लगाए गए। इस दौरान जिला पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे ।वही पग,पग पर पीने के पानी की व्यवस्था समाजसेवियों द्वारा की गई थी। विशेष उल्लेखनिय यह है कि इस जन आक्रोश रैली को 72 समाज संगठनों ने अपना समर्थन दिया था।

हाथों में पोस्टर, आंखों में आक्रोश बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो अत्याचार के विरोध में रविवार को सकल हिंदू समाज गोंदिया के आह्वान पर 72 से अधिक सामाजिक, धार्मिक और हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं रैली में शामिल हुए। लोगों के हाथों में बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को रोकने की मांग वाले पोस्टर थे। वहीं, लोग नारेबाजी लगाकर रहे थे। साथ ही हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की मांग करते रहे थे।

नागझिरा टाइगर रिजर्व में आपसी संघर्ष में जख्मी टाइगर की मौत मिला शव

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के संरक्षित टाइगर रिजर्व नवेगांव नागझिरा वन क्षेत्र में 22 सितंबर की सुबह 10.00 बजे एक नर टाइगर का शव मिला प्राथमिक जानकारी के अनुसार वन्यजीव के आपसी संघर्ष में जख्मी टाइगर की मौत होने का मामला सामने आया है। गौरतलब है की गोंदिया जिले के संरक्षित वन क्षेत्र में टाइगर की संख्या बढ़ने से पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा था लेकिन कुछ समय से टाइगर की हो रही मौत को लेकर वन्य जीव प्रेमियों में निराशा निर्माण हो रही है। इसी प्रकार की एक बुरी खबर 22 सितंबर को सुबह 10.00 बजे के दौरान सामने आई,जब नियमित गस्त के रूप मेंनागझिरा अभ्यारण-1 कक्ष क्रमांक 96 में मंगेझरी मार्ग नागदेव पहाडी परिसर में बीट रक्षक जे एस केंद्र व उनका दल गस्त लगा रहा था इसी दौरान परिसर में एक नर प्रजाति का टाइगर मृत अवस्था में दिखाई दिया जिसकी उम्र लगभग 9 से 10 वर्ष की बताई जा रही है। टाइगर के मृत अवस्था में दिखाई दिए जाने पर इसकी जानकारी बीट रक्षक केंद्र द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दी। जानकारी मिलते ही उपवन संरक्षक तथा क्षेत्र संचालक नवेगांव नागजीरा टाइगर रिजर्व के जयरामे गोड़ाआर उपसंचालक राहुल गव??ई?? साकोली, सहायक वन संरक्षक कु.एम.एस. चव्हाण,वन परिक्षेत्र अधिकारी व्ही एम भोसले घटनास्थल

पर पहुंचे तथा घटनास्थल पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मानक के अनुसार परिसर व मृत टाइगर का निरीक्षण किया। इस समय मानद वन्य जीव संरक्षक बहेकार मुख्य वन्य जीव संरक्षक महाराष्ट्र राज्य नागपुर रूपेश निबार्ते, छत्रपाल चौधरी एनजीओ प्रतिनिधि, डॉ.शीतल वानखेड़े,डॉ. सौरभ कवठे, डॉ. समीर शेन्द्रे, डॉ. पशुचिकित्साधिकारी उज्वल बावनथड़े उपस्थित थे तथा पशुवैद्यकीय अधिकारियों के दल द्वारा समिति के सदस्यों की उपस्थिति में मृत टाइगर का शव विच्छेदन कर उसका विसेरा के सैंपल लेकर जांच के लिए संकलित किया। पोस्टमार्टम की प्राथमिक जांच के अनुसार चिकित्सकों द्वारा अनुमान लगाया गया की मृत टाइगर नर T-9 है तथा यह वन्य जीव के आपसी संघर्ष में गंभीर रूप से जख्मी होकर इसकी मौत हो गई तथा मृत टाइगर के सभी अव्य सही सलामत अवस्था में पाए गए। तथा शव विच्छेदन के पश्चात पंचों के समक्ष मृत टाइगर का अंतिम संस्कार किया गया तथा उपरोक्त मामले की आगे की जांच उप संचालक नवेगांव नागझिरा के राहुल गवई ही के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी नागझिरा व्ही एम भोंसले द्वारा की जा रही है।

ट्रक से 175 लीटर डीजल चुराए

गोंदिया- उत्तरप्रदेश राज्य के आजमगढ़, सागरी निवासी शिकायतकर्ता प्रदीप मोतीलाल यादव (36) यह ट्रक क्र. एमएच 40 - एके 2557 गड़चिरोली जिले के सुरजागड़ पहाड़ी से रायपुर ले जा रहा था. इसी बीच राज्यमार्ग क्र. 53 पर स्थित आराध्या पेट्रोल पंप के पास नैनपुर में चौपहिया वाहन से आए आरोपियों ने ट्रक को रुकवाया. एक आरोपी ट्रक पर चढ़कर शिकायतकर्ता को गाली-गलौज कर धमकाने लगा व तीन आरोपियों ने ट्रक से 175 लीटर डीजल चुरा लिया. जिसकी कीमत 16 हजार 100 रु. बताई गई है.

भगवान महावीर पर राज्य स्तरीय निबंध स्पर्धा

बुलंद गोंदिया। भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण कल्याणक वर्ष के अवसर पर महाराष्ट्र शासन के सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा राज्य स्तरीय समिति का गठन माननीय कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा की अध्यक्षता में किया गया है। जिला स्तर समिति जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनाई गई है जिसमें संबंधित शासकीय अधिकारियों के साथ राजेन्द्र जैन (पूर्व विधायक), रवि कासलीवाल, पदम लुनिया, दिनेश बैद, प्रवीण पगारिया, संजय जैन अशासकीय सदस्य के रूप में मनोनीत किए गए हैं। महाराष्ट्र शासन के सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा राज्य स्तरीय निबंध स्पर्धा का आयोजन किया गया है सभी स्कूलों में कक्षा 5 वीं से 7 वीं एवं 8 वीं से10 वीं इन दो वर्गों में यह प्रतियोगिता होगी। विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक नगद पुरस्कार से सम्मानित किया

जाएगा। इस हेतु जिला समिति की सभा जिलाधिकारी के कार्यालय में आयोजित हुई जिसमें जिलाधिकारी प्रजीत नायर द्वारा कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु संबंधित शासकीय अधिकारियों को निर्देश जारी किया गया ।गोंदिया जिले में स्थित सभी स्कूलों में प्रतिस्पर्धा आयोजित करने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं सभी शाला प्राध्यापकों से निवेदन किया जा रहा है कि भगवान महावीर प्रभु के सिध्दांतों को वर्तमान पीढ़ी को परिचित कराने हेतु शासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अपने विद्यालय की सहभागिता सुनिश्चित करें।

होमगार्ड जवानों ने बाढ़ में फंसे 16 लोगों की बचाई जान

बुलंद गोंदिया। पुलिस विभाग के हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले होमगार्ड सैनिकों द्वारा गोंदिया जिले में निर्माण हुई 9 सितंबर 2024 में आपत्ती व्यवस्थापन पुर परस्थिति के समय संपूर्ण गोंदिया जिले में फंसे लोगों को होमगार्ड अधिकारी व सैनिकों द्वारा अपने कर्तव्य का पालन करते हुए। अपनी जान जोखिम में डालकर गोंदिया जिले में बाढ़ में फंसे करीब 16 लोगों की जान बचाई है। आपत्ती व्यवस्थापन जिलाधिकारी कार्यालय गोंदिया में कर्तव्य का पालन करते हुए गृह रक्षक दल के पवन जगने,(पलटन नायक)इंद्रकुमार बिसेन (पलटन नायक)गिरधारी पथे(पलटन नायक)चुनिलाल मूटकुरे, जबराम चिखलोंन्डे सैनिक द्वारा पुर परिस्थिति में फंसे 16 लोगों की जान बचाई। जिसमे 10 सितंबर को छोटा

गोंदिया पांगोली नदी परिसर में फंसे को 8 लोगों को बचाया गया। वही उसी दिन रात में चिखली ग्राम के 6 लोगो को बाढ़ के पानी से बाहर निकाला गया। 11 सितंबर को तिरोड़ा तहसील के धापेवाडा में पुर से 02 लोगो को बाहर निकाला गया। होमगार्ड अधिकारी व जवानों के इस कार्य को देखते हुए संपूर्ण गोंदिया जिले में उनके साहस की चहुं और तारीफ हो रही है।

तेंदुए ने किया गाय का शिकार

गोंदिया-गोंदिया-कोहमारा मार्ग पर मुंडीपार में तेंदुए ने दिनदहाड़े सड़क किनारे खड़ी गाय का शिकार कर लिया. तेंदुआ गाय को हाईवे से दूर जंगल में ले गया. यह घटना रविवार शाम करीब

5 बजे की बताई जा रही है. इस रास्ते से गुजर रहे एक वाहन चालक ने तेंदुए के शिकार के रोमांच को अपने मोबाइल में कैद कर लिया. इसके बाद यह वीडियो जिले के विभिन्न सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. मुंडीपार वन क्षेत्र नवेगांवबांध-नागझिरा अभयारण्य से सटा हुआ है, इसलिए यह क्षेत्र हमेशा वन्यजीवों से भरा रहता है. इस मार्ग पर वाहन चालकों को अक्सर बाघ और तेंदुए दिखाई देते हैं. पिछले सप्ताह इसी वन क्षेत्र में एक बाघ ने एक किसान पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया था. रविवार को इसी सड़क पर तेंदुए ने एक गाय का शिकार कर लिया. इस शिकार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. इसके बाद गोरेगांव और मुंडीपार के वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सोमवार को उस इलाके में अभियान शुरू किया, जहां वीडियो में घटना दिख रही है.

राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में नितिन जिंदल ने मारी बाज़ी

एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक प्राप्त कर बढ़ाया जिले का गौरव

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र राज्य वेटरन्स एक्वेटिक एसोसिएशन और नागपुर जिला स्विमिंग एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से 21 व 22 सितंबर को स्विमिंग पूल, नागपुर में राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस प्रतियोगिता में गोंदिया समेत राज्य के 36 जिलों के तैराकों ने हिस्सा लिया. प्रतियोगिता 25 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों और महिलाओं के लिए खुली थी। गोंदिया जिले की ओर से नितिन जिंदल (अग्रवाल) ने 200 मीटर में स्वर्ण पदक, 400 मीटर में रजत पदक, 100 मीटर में रजत पदक और 50 मीटर प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। यह 25वीं सिल्वर जुबली चैम्पियनशिप थी। इसमें लगभग सभी तैराकी शैलियों जैसे फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई और डाइविंग स्पर्धाओं और मास्टर्स तैराकों के विभिन्न आयु समूहों में फ्रीस्टाइल रिले और मेडल रिले का आयोजन किया गया।

गोंदिया जिला वासियों ने उनकी सफलता पर बधाइयों की झड़ी लगा दी है. इससे पहले भी नितिन जिंदल तैराकी प्रतियोगिता में 4 गोल्ड मेडल जीत चुके हैं. खास तौर पर गोंदिया के खेल परिसर में वे नियमित रूप से खिलाड़ियों को तैराकी के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

जिप सीईओ ने स्वास्थ्य संस्थाओं का किया निरीक्षण

» मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

गोंदिया-जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगानंथम ने शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठाणा और खमारी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवा एवं सुविधाओं का जायजा लिया। इस समय पीएचसी के भीतर एवं बाहरी परिसर की स्वच्छता, ओपीडी सेवा का लाभ मरीजों को मिल रहा है या नहीं? क्षेत्रीय कर्मचारियों की नियमित गांव निहाय भेंट का नियोजन, सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा, दवा संग्रहण, शासकीय निवास स्थान आदि की समीक्षा लेकर मुख्यालय में रहने, मरीजों को सुविधा देने की सूचना उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दी। इस बीच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठाणा में आशा सेविका की सभा को भी उन्होंने मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आशा सेविका गांव स्तर पर लोगों से संवाद साधने के लिए महत्वपूर्ण होती है। गांव की सभी प्रकार की जानकारी आशा को होती है। गांव में किसी को भी समस्या होने पर आशा सेविका के पास जाकर

प्रतिबंधात्मक उपाय योजना व जानकारी लें। आशा सेविका गर्भवती महिला व बालकों की जानकारी गृहभेंट के माध्यम से लेकर नियमित फालोअप लें। ऐसे निर्देश उन्होंने दिए। खमारी पीएचसी में भेंट के दौरान मानव विकास शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं को दी जानेवाली सुविधाओं की जानकारी उन्होंने ली। इस अवसर पर खमारी पीएचसी की चिकित्सा अधिकारी डॉ. खुशबू शर्मा, स्वास्थ्य सहायक गजेंद्र तावाड़े, जे.सी. राव, फार्मासिस्ट चिर्डे, प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारी शकील शेख, स्वास्थ्य सेविका माधुरी टेंभुरकर, शालू राऊत, लक्ष्मी राऊत, कनिष्ठ सहायक दहीकर, ठाकरे, रामटेके, कासरे एवं ठाणा पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन बारई आदि उपस्थित थे।

संपादकिय...

शतरंज के 'राजा-रानी'

शतरंज का जिक्र होते ही महान कथाकार, उपन्यासकार प्रेमचंद की याद ताजा होने लगती है। उनकी प्रख्यात कहानियों में 'शतरंज के खिलाड़ी' भी एक थी, जिस पर फिल्म भी बनाई गई। वह शतरंज वक्तकटी का जरिया थी, लेकिन आज यह पेशेवर खेल है, जो दुनिया भर में खेला जाता है। भारत ने इसी खेल के ओलिंपियाड में नया और स्वर्णिम इतिहास रच दिया। दोहरा स्वर्णिम कीर्तिमान भी स्थापित किया। 1927 में 'चेस ओलिंपियाड' का अधिकृत और वैश्विक सफरनामा शुरू हुआ था। अब 2024 में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने सर्वश्रेष्ठ रहते हुए, पहली बार, दोहरे स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। इन मुकाबलों में रूस, चीन, अमरीका, उजबेकिस्तान सरीखे चैम्पियन देश पिछड़ गए और भारतीय खिलाड़ियों ने सुनहरी इबारत लिख दी। कुल 195 देशों की 197 टीमों और महिलाओं में 181 देशों की टीमों में भारत 'सर्वश्रेष्ठ' रहा। वाह! कमाल है!! इस अभूतपूर्व खेल उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है। युवा खिलाड़ियों ने खेल के साथ-साथ देश का सम्मान भी आसमान तक पहुंचा दिया। अकल्पनीय, अतुलनीय तो यह रहा कि पुरुष टीम और उसके चैम्पियन खिलाड़ी डी. गुकेश 'अजेय' रहे। उन्होंने अधिकतर गेम जीते और एक-दो गेम ड्रा खेलने पड़े। पुरुषों में गुकेश और अर्जुन एरिगैसी, महिलाओं में दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने 'व्यक्तिगत स्वर्ण पदक' भी हासिल किए। भारत में पेशेवर शतरंज खेलना अपेक्षाकृत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन हमारे खिलाड़ी 2014, 2022 में चेस ओलिंपियाड के कांस्य पदक विजेता बनते रहे हैं। चुनौती के स्पष्ट संकेत थे कि भारत एक दिन 'सर्वोच्च' भी हो सकता है। हालांकि तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद पांच बार शतरंज के 'विश्व चैम्पियन' बने और खेल के महानतम खिलाड़ियों की जमात में शामिल हुए। उनकी विरासत आज गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञाननंदा, विदित गुजराती सरीखे युवा खिलाड़ियों में झलकती है। महिलाओं में भी शतरंज की एक सशक्त, विजेता पीढ़ी दिव्या, हरिका, वैशाली, वंतिका, तानिया सचदेव और दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी आदि के रूप में सामने है। इन तमाम खिलाड़ियों को वर्ल्ड रैंकिंग हासिल है। गुकेश विश्व चैम्पियनशिप के 'चैलेंजर' हैं। वह नवम्बर, 2024 में सिंगापुर में मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन से मुकाबला करेंगे। गुकेश अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीत कर ऐसी स्थिति में आए हैं कि वह विश्व चैम्पियन को चुनौती दे पा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि मात्र 18 वर्षीय किशोर गुकेश अगला विश्व चैम्पियन बनकर दुनिया के सामने आए। हैरानी तो यह होती है कि औसत खिलाड़ी की उम्र 18-22 साल है और वे शतरंज के 'राजा-रानी' बनकर उभरे हैं। शायद देश के अधिकांश लोगों ने गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञान, दिव्या, वंतिका, वैशाली सरीखे शतरंज के 'ग्रैंडमास्टर्स' के नाम न सुने हों! शतरंज क्रिकेट और अन्य खेलों की तरह लोकप्रिय नहीं है, लेकिन वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैम्पियन खिलाड़ी हैं।

बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या के लिए जिम्मेदार कौन-विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2024

देश में बढ़ती जानलेवा बीमारियां, मानसिक तनाव, घटती जीवन प्रत्याशा और असमय मौत में हमारी आधुनिक जीवनशैली की खास भूमिका है। आधुनिक जीवनशैली जीने वाले युवाओं में दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक होती है। छोटे बच्चों से लेकर किशोरवयीन युवाओं तक खेलते हुए चक्कर आकर गिरने की घटनाएं आजकल देखने-सुनने मिलती है, बैठे-बैठे लोग चक्कर आकर गिर जाते है और चिकित्सक बताते है कि हृदयघात हुआ है। बहुत बार आवश्यक आपातकाल चिकित्सकीय सहायता न मिलने के कारण जान चली जाती है। आज हम वो खा-पी रहे हैं जो पशु के खाने लायक भी नहीं है। हमारे पारंपरिक खाद्य पदार्थों की जगह पाश्चिमात्य फास्ट फूड और अस्वास्थ्यकर आहार आ गया है। छोटी-सी जबान के जायके के लिए सम्पूर्ण शरीर को नुकसान पहुंचाया जाता है। ये बड़ी दुख की बात है, कि हम खाद्य व्यंजनों का चयन स्वाद के आधार पर करते है, जबकि ये सर्वदा स्वास्थ्य के आधार पर होने चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि अधिकतर लोग पेट भरने के लिए खाते है, लेकिन वे कितनी कैलरी, किस प्रकार, किस गुणवत्ता में ले रहे है, शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा लगातार बढ़ रही, पाचन तंत्र कमजोर हो रहा है, इसका विचार नहीं करते। भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी, अस्वच्छता, अशुद्ध हवा पानी, पर्याप्त नींद न लेना, बढ़ता वजन, व्यायाम की कमी, अशुद्ध वातावरण, शोर, काम का दबाव, घरेलू कलह, मानसिक तनाव, नशाखोरी से बीमारियां तेजी से बढ़ रही है। मानवीय शरीर पहले के दशक के मुकाबले कमजोर प्रतीत हो रहा है, अब मौसम बदलते ही मानवीय शरीर को विविध बीमारियां जल्द जकड लेती है, क्योंकि रोग प्रतिकारक शक्ति कम हो रही है। तले हुए खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत मांस, अतिरिक्त चीनी वाले खाद्य पदार्थ व पेय, वसायुक्त खाद्य पदार्थ, नमकीन पदार्थ, मैदा युक्त पदार्थ, सोडा, उच्च वसायुक्त डेयरी उत्पाद, आइसक्रीम, ट्रांस वसा, मक्खन, लाल मांस, आलू चिप्स, फ्रेंच फ्राईज, कुकीज़, पाम तेल, पिज़्ज़ा, बेकन, बेक्ड उत्पाद, सफेद चावल, सफेद ब्रेड, पास्ता, सॉसेज, पॉलिश अनाज, डिब्बाबंद सूप या फूड कंपनियों के प्रक्रिया किये गए पदार्थ, मानवीय शरीर के लिए अस्वास्थ्यकर होते है क्योंकि इनसे हमें आवश्यक पोषकतत्वों की जरुरत पूरी नहीं होती, इनका प्रयोग न हो तो बेहतर है, लेकिन चीनी और नमक का उपयोग बंद नहीं कर सकते, लेकिन मर्यादित करना या अन्य पर्याय जरुरी है। ये पदार्थ शरीर में स्लो पॉइजन के रूप में काम करते है और सीमा के बाहर होने पर शरीर में मौजूद खराब तत्व बढ़ते हुए मानवीय अंगो को विफल करते हुए घातक बीमारी में तब्दील हो जाते है।

भारत में अधिकांश मौतों और विकलांगताओं के लिए हृदय संबंधी बीमारियाँ जिम्मेदार हैं। साल 2022 में भारतीयों में दिल के दौरे में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुयी। अस्वास्थ्यकर आहार, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह और अधिक वजन ये जोखिम अब देश में कुल बीमारी के बोझ का एक चौथाई हिस्सा है। गैर-संचारी रोग देश में होने वाली सभी मौतों में से 60 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। लगभग 5.8 मिलियन भारतीय हर साल हृदय और फेफड़ों की बीमारियों, स्ट्रोक, कैंसर और मधुमेह से जान गवांते है। कैंसर और मधुमेह की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ-साथ हृदय रोग दो दशकों से ज्यादा समय से भारत में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक रहा है। विश्व स्तर पर 2021 में सबसे बड़ा हत्यारा इस्केमिक हृदय रोग रहा, जो दुनिया में होने वाली सभी मौतों में से 13 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है।

2022 में भारत में औसत जीवन प्रत्याशा 67.74 वर्ष थी। जबकि

2023 तक मोनाको में पुरुषों और महिलाओं के लिए 84 और 89 वर्ष थी, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, मकाऊ और जापान में पुरुषों और महिलाओं के लिए जीवन प्रत्याशा क्रमश 81 और 87 वर्ष है। ग्रामीण क्षेत्रों में 17 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 29 प्रतिशत बुजुर्गों को पुरानी बीमारियाँ हैं। उच्च रक्तचाप और मधुमेह सभी पुरानी बीमारियों का कुल 68 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह आश्चर्य की बात है कि हृदय रोग पश्चिम देशों की तुलना में भारत में 10-15 साल पहले होता है। भारत में हृदय रोगों के कारण 24.8 प्रतिशत मौतें होती हैं, इसके बाद श्वसन संबंधी 10.2 प्रतिशत मौतें होती हैं, जबकि जानलेवा और अन्य ट्यूमर के कारण 9.4 प्रतिशत मौतें होती हैं। लैंसेट अध्ययन में पाया गया कि 2019 में भारत में प्रदूषण के कारण 2.3 मिलियन से अधिक लोगों की असामयिक मृत्यु हुई। यूनिसेफ और खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट अनुसार, भारत देश में 45 प्रतिशत बच्चे अविकसित हैं और हर साल पांच साल से कम उम्र के 6 लाख बच्चे अपर्याप्त शुद्ध जल आपूर्ति, पोषक भोजन की कमी और अस्वच्छता के कारण जान गवांते है। शुद्ध पानी की कमी के कारण हर साल लगभग 2 लाख मौतें होती हैं।

भारत में तनाव का स्तर संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूके, जर्मनी, फ्रांस, चीन, ब्राजील और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में अधिक है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस के नवीनतम 2023 इंडिया वेलनेस इंडेक्स के अध्ययनों के मुताबिक भारत में हर तीसरा व्यक्ति तनाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 77 प्रतिशत भारतीय नियमित आधार पर तनाव के कम से कम एक लक्षण का अनुभव करते हैं। भारत में मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है, प्रति 1,00,000 लोगों पर केवल 0.07 मनोचिकित्सक और 0.12 मनोचिकित्सक नर्सें हैं। अक्सर, इन पेशेवरों के पास अवसाद से निपटने के लिए बहुत कम या कोई प्रशिक्षण नहीं होता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन 2024 के अनुसार, दुनिया में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक है, जो प्रति सप्ताह औसतन 45 घंटे से अधिक काम करते हैं, विशेषत निजी संस्थानों और व्यवसायों में। इसमें हमारा देश भूटान, लेबनान, लेसोथो, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान जैसे देशों से भी पीछे है।

बड़े-बड़े कारखानों से रसायनयुक्त जहरीला पानी और धुंआ आसपास के वातावरण में जहर घोलता है। खेतों में भी बड़ी मात्रा में हानिकारक रासायनिक खादों का प्रयोग होता है। अभी हाल ही में नए अध्ययन से पता चला है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक प्लास्टिक प्रदूषण पैदा करता है। देश में सभी प्रकार के प्रदूषण की भी गंभीर समस्या बनी हुई है। हानिकारक अपशिष्ट, मिलावटखोरी की गंभीर समस्या में भी हम अग्रणी है। शहरों की सड़कों पर लोगों की संख्या से ज्यादा गाड़ियों का जाम नजर आता है। अधिकतर राज्यों की कबाड़ बनी सरकारी बस और स्थानीय प्रशासन द्वारा संचालित बसे भी प्रदूषण करती हुई चल रही है। शहरों से होकर बहने वाली अधिकतर नदियाँ तो नालों के स्वरूप में दिखती है। निर्माण स्थल, फैक्ट्री एरिया में अधिकतर मजदूर बगैर मास्क के धूल भरे वातावरण में कार्य करते है। घटते वन, बढ़ते कंक्रीट के जंगल, कचरे के ढेर, ग्लोबल वार्मिंग ने जीव सृष्टि के लिए खतरा पैदा किया है। पूरे वर्ष पल-पल मौसम की स्थितियां बदलती रहती हैं, जिससे साल भर बीमारियों का वायरल चलता रहता है और देश में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद लगातार अस्पताल मरीजों से हाउसफुल रहते है।

अब इसे नियमों का उल्लंघन कहे या लापरवाही लेकिन इसकी सजा हम सबके मानसिक- शारीरिक स्वास्थ्य को भुगतनी पड़ती है, आर्थिक नुकसान होता है वो अलग। क्या इसमें प्रशासन जिम्मेदार है जो मिलावटखोरी, प्रदूषण, भ्रष्टाचार पर पूर्णत नियंत्रण नहीं रख पा रहा है और सबके लिए पर्याप्त स्वास्थ सुविधा, पोषक आहार, शुध्द जल उपलब्ध नहीं कर पा रहा है। या वो स्वार्थी लोग जिम्मेदार है जो सिर्फ अपने फायदे के लिए गलत काम करके पर्यावरण और आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर नुकसान पहुंचाते है। या फिर हम लोग जिम्मेदार है, जो अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख सकते, क्योंकि अस्वास्थ्यकर आहार, आलस्य, नशाखोरी, अशुद्धता, आधुनिक जीवनशैली हमारे लिए जानलेवा होकर भी हम सुधर नहीं रहे। जिम्मेदारी सबकी है, हम सबको अमूल्य जीवन का मोल समझना होगा। अगर अभी भी जागे तो खुशहाल स्वस्थ भारत बनाकर हर साल स्वास्थ्य समस्याओं पर होने वाले अरबों डॉलर की भी बचत हो सकती है और बढ़ती गंभीर बीमारियों की गति भी धीमी की जा सकती है।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

बदलापुर कांड -आरोपी की एनकाउंटर में मौत

पुलिस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में गोली लगी

मुंबई। महाराष्ट्र के बदलापुर में पिछले महीने केजी की 3 और 4 साल की 2 बच्चियों से यौन शोषण के आरोपी अक्षय शिंदे की एनकाउंटर में मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने सोमवार को पुलिस रिवॉल्वर छीनी और 3 राउंड फायरिंग की। इसमें एक अफसर घायल हो गया।

जवाबी कार्रवाई में आरोपी शिंदे को गोली लगी। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना शाम साढ़े 5 बजे की है। शुरुआत में जानकारी मिली थी कि आरोपी ने पुलिस रिवॉल्वर छीनकर खुदकुशी कर ली है।

यौन शोषण की घटना 12 और 13 अगस्त की है। बदलापुर के आदर्श स्कूल में 23 साल के स्वीपर अक्षय शिंदे ने दोनों बच्चियों का यौन शोषण किया था।

बदलापुर यौन शोषण केस में कल (24 सितंबर) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। एक NGO की याचिका में देशभर में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गाइडलाइन जारी करने की मांग की गई है।

1 अगस्त को अक्षय ने स्कूल जॉइन किया था, 12-13 अगस्त को यौन शोषण किया यौन शोषण की घटना के बाद दोनों लड़कियां स्कूल जाने से डर रही थीं। माता-पिता को संदेह हुआ। उन्होंने लड़की को भरोसे में लेकर पूछताछ की तो बात सामने आई।

एक पेरेंट्स ने उसी कक्षा की दूसरी लड़की के माता-पिता से संपर्क किया। जब डॉक्टर ने जांच की तो असल घटना सामने आई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शुभदा शितोले ने POCSO का मामला होने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल की। बाद में उन्हे सस्पेंड कर दिया गया।

बच्ची के माता-पिता ने सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से बदलापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। दो दिन बाद 16 अगस्त शुक्रवार देर रात केस दर्ज किया। 17 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी अक्षय 1 अगस्त को ही स्कूल में कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त हुआ था।

लोगों ने ट्रेने रोकी थीं, पुलिस पर पथराव किया था

20 अगस्त को प्रदर्शनकारियों ने स्कूल का मेन गेट खुलवाया और अंदर घुसकर तोड़फोड़ की। 20 अगस्त को प्रदर्शनकारियों ने स्कूल का मेन गेट खुलवाया और अंदर घुसकर तोडफोड की। घटना

को लेकर भीड़ ने 20 अगस्त को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक बदलापुर स्टेशन पर प्रदर्शन किया था। 10 घंटे से ज्यादा लोकल ट्रेनों की आवाजाही रुकी रही। शाम को पुलिस ने लाठीचार्ज कर रेलवे ट्रैक खाली कराया। तब पुलिस पर भीड़ ने पत्थरबाजी भी की थी। कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के लिए बदलापुर स्टेशन पहुंचे, लेकिन उन्हें लौटना पड़ा था। इसके बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एसआईटी गठित करने का ऐलान किया। इसके अलावा, सरकार ने केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की बात कही थी। राज्य सरकार ने यौन शोषण का केस दर्ज करने से 12 घंटे तक टालते रहे बदलापुर थाने के महिला पुलिस निरीक्षक समेत 3 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। साथ ही प्रिंसिपल समेत कुछ स्कूल स्टाफ को भी सस्पेंड किया था।

आरोपी को दादा बोलती थीं बच्चियां पुलिस पूछताछ में सामने आया था कि बच्ची उसे दादा (बड़े भाई के लिए मराठी शब्द) कहकर बुलाती थी। बच्ची के मुताबिक, 'दादा' ने उसके कपड़े खोले और गलत तरीके से छुआ। स्कूल में जहां घटना हुई थी, वहां महिला कर्मचारी नहीं थी।

बाल आयोग बोला था- स्कूल प्रशासन ने केस दबाने की कोशिश की महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष सुसीबेन शाह ने आरोप लगाया था कि स्कूल ने बच्चियों के पेरेंट्स की मदद करने के बजाय अपराध को छिपाया। स्कूल समय पर संज्ञान लेकर शिकायत दर्ज करवाता तो अराजक स्थिति से बचा जा सकता था। मामले को लेकर आयोग ने एकनाथ शिंदे को रिपोर्ट पेश कर चुका है।

चुलोद, टेमनी में हुए 19.53 करोड़ के विकास कार्य

गोंदिया-अपने पांच विधायक अग्रवाल ने निकाली जन आशीर्वाद यात्रा साल के जनविकास कार्यों को लेकर कर्तव्यपूर्ती जन आशीर्वाद यात्रा के तहत ग्राम चुलोद, टेमनी पहुंचे विधायक विनोद अग्रवाल ने करीब 19 करोड़ 53 लाख रु. के विविध विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया. उन्होंने कहा कि, मुझ पर आप सभी का बहुत बड़ा कर्ज है, एक निर्दलीय प्रत्याशी पर विश्वास जताकर सभी ने मुझे विधायक के रूप में सेवा करने का अवसर दिया, मेरे दो साल कोरोना जैसे संकट काल में गुजर गए, बावजूद मेरा प्रयास रहा कि कैसे मैं लोगों की बुनियादी, आर्थिक, जनहितकारी व गांव व्यवस्था को सुधारकर अच्छा विकास दूं. अपने वेतन से स्कूलों में पहले इन विशेष प्रधान से कंजुर साल 130 और इस साल 120 शिक्षक दिए, जो शालाओं में शिक्षक की कमी को दूर कर शिक्षा का पाठ पढ़ा रहे हैं. कार्यक्रम में पंस सभापति मुनेश रहांगडाले, कृउबास सभापति भाऊराव ऊके, चाबी संगठन के तहसील अध्यक्ष छत्रपाल तुरकर, अजित टेंभरे, विक्की बघेले, टेमनी सरपंच योगेश पटले, चुलोद सरपंच माया बोरकर, दिलीप लिल्हारे, ललित बिसेन, राधाकृष्ण ठाकुर, माणिक चौहान, माणिक हरिनखेड़े, गोविंद ठाकुर, गोपाल चुटे, डा. घनश्याम पटले, राजेन्द्र ठाकुर, हंसराज चौरे, विजय ठाकुर, हरिनखेड़े, बाबूलाल सुलाखे सहित अनेक महिलाएं उपस्थित थी.

ग्रामों में नई सड़कें तथा नालियों की हुई थी तोड़-फोड़ जल जीवन मिशन का मरम्मत कार्य ठप

गोरेगांव, (त.सं). तहसील में किए गए जल जीवन मिशन योजना के कार्य सरपंचों के लिए सिर दर्द बनकर सामने आ रहे है. निर्माण कार्य के चलते ग्रामों में सड़के तथा नालियों की तोड़फोड़ की गई थी लेकिन किए गए तोड़फोड़ की मरम्मत अब तक नहीं की गई है. स्थानीय ग्राम पंचायत के संपत्ति को लाखों का नुकसान हुआ है. तहसील के ग्राम कमरगांव, हीरापुर, शहारवानी, बागडबंध, तिल्ली मोहगांव, कालीमाटी, आंबेतलाव, चिल्हाटी, सोनी जैसे अनेक गांवों में यह स्थिति देखी जा सकती है. नुकसान को लेकर ग्राम सरपंचो में नाराजगी देखी जा रही है लेकिन संबंधित विभाग के इंजीनियर इस विषय पर लगातार अनदेखी कर रहे हैं. ऐसे में मरम्मत कार्य फिलहाल ठंडे बस्ते में दिखाई दे रहा है. जानकारी के अनुसार गोरेगांव तहसील में जल जीवन मिशन कार्य शुरुआत से ही ग्रामों के लिए नुकसानदायक साबित हो रहे हैं. एक ओर अनेक ग्रामों में कार्य अभी भी अधूरे पड़े हैं वहीं सौर ऊर्जा नल योजना गांव में असफल साबित हो रही है. उल्लेखनीय

यह है कि जल जीवन मिशन कार्य को लेकर प्रशासन के कुछ नियम तय किए गए थे जिसमें मेंटेनेंस कार्य भी एक नियम है. जल आपूर्ति विभाग ने साध रखी है चुप्पी जल जीवन मिशन के तहत की गई तोड़फोड़ के मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदारों की है लेकिन अधिकतर ग्रामों में ठेकेदारों ने तोड़फोड़ को वैसे ही छोड़ दिया है. सरपंच द्वारा शिकायत करने पर जिला परिषद जल आपूर्ति विभाग चुप्पी साधे हुए हैं. वही ठेकेदारों ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए हैं. ऐसे में गांवों में की गई तोड़फोड़ की मरम्मत कौन करेगा इस पर अभी सवालियां निशान लगा हुआ है वहीं तोड़फोड़ के चलते ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

सालेकसा-तहसील अंतर्गत जिला परिषद सदस्य छाया नागपुरे के जन्मदिन अवसर पर स्वामी विवेकानंद हाईस्कूल व कनिष्ठ महाविद्यालय सोनपुरी में भव्य वरिष्ठ नागरिक सत्कार व विभिन्न क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले नागरिकों व छात्राओं का सत्कार किया गया. इस अवसर पर झालिया जिला परिषद क्षेत्र से 52 वरिष्ठ नागरिकों तथा क्रीडा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कोटरा सिवारीटोला निवासी अंबिलाल वाढई, जिला परिषद स्कूल में खाना बनाने वाली महिला अनीता मडावी, भागाबाई मलगाम, ललिता पालेवार, मुख्यमंत्री मेरी स्कूल सुंदर स्कूल उपक्रम के तहत में तहसील में प्रथम स्थान हासिल करने वाले पीएमश्री जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक स्कूल सोनपुरी का जिला परिषद सदस्य व सरपंच की ओर से सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों का शाल व श्रीफल देकर सत्कार किया गया. कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप बंसोड़, दीप प्रज्वलक विधायक सहसराम कोरोटे, सहदीप प्रज्वलक छाया नागपुरे, प्रदेश सचिव अमर वराडे, जिप सदस्य शशी भगत, रामसिंह पटेल, विनोद नागपुरे, कुसुम नागपुरे, लता पटेल, पुरुषोत्तम कटरे आदि उपस्थित थे. संचालन जयेश लिल्हारे ने किया व आभार सुरेश चौहान ने माना.

शालेय रसोइयों का दूसरे दिन भी मोर्चा सरकार से मानधन में वृद्धि करने की मांग

गोंदिया-रसोइया महिला कर्मचारियों की कई समस्याएं हैं. आज भी उन्हें कम मानधन पर 4 घंटे की जगह 8 घंटे काम करना पड़ रहा है. इसलिए उनके मानधन में वृद्धि कर कर्मचारियों की समस्या हल करने की मांग को लेकर रसोइया महिला कर्मियों द्वारा मंगलवार को जिला परिषद पर मोर्चा निकाल कर आंदोलन किया गया. वहीं दूसरे दिन बुधवार को भी मोर्चा निकाला गया. जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी. महाराष्ट्र राज्य जिला परिषद, नगर परिषद और महानगर पालिका स्कूल में कार्यरत रसोइया महिला संघ की ओर से दो दिवसीय आंदोलन चल रहा है. महिला रसोइयों को 10 माह के स्थान पर 12 माह का नियमित वेतन दिया जाए, महिला रसोइयों पर विद्यालय व्यवस्थापन समिति का दबाव कम किया जाए. महिला रसोइयों को स्थाई सेवा में शामिल किया जाए, न्यूनतम वेतन अधिनियम के तहत न्यूनतम वेतन लागू किया जाए, सेवा से कम करते समय उचित कार्य प्रणाली का उपयोग किया जाए, न्यूनतम वेतन अधिनियम के तहत 10,000 न्यूनतम वेतन लागू किया जाए, महिला रसोइयों पर विद्यालय व्यवस्थापन समिति का दबाव कम किया जाए, किसी विद्यालय में छात्रों की संख्या कम होने पर वहां के रसोइया को अन्यत्र पदस्थापित करने आदि मांगों को लेकर दो दिवसीय आंदोलन किया किया गया. आंदोलन में रसोइया महिला संघ की गोंदिया जिला अध्यक्ष चंदा दमाहे, मनोज दमाहे, दिलीप चुटे, अनिता तांडेकर, दिवाकर शेंडे, गीता सोनेवाने, सुनीता पाउलझगड़े, प्रतिभा बागडे, सरिता उके और जिले के सभी तहसील से बड़ी संख्या में रसोइयां महिलाओं ने हिस्सा लिया.

20 मीटर की दूरी तय करने के लिए 80 मीटर तक चलना पड़ रहा आमगांव रेलवे स्टेशन की घुमावदार सीढ़ियां बनीं मुसीबत

गोदिया-आमगांव रेलवे स्टेशन पर वर्ष 2020 से 2022 के दौरान प्लेटफार्मों पर पहुंचने के लिए यात्रियों के लिए फुट ओवरब्रिज बनाए गए। लेकिन यह सीढ़ियां अब यात्रियों के लिए मुसीबत का सबब बन गई हैं। पहले रेलवे स्टेशन के बाहर से स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1, 2 एवं 3, 4 पर पहुंचने के लिए फुट ओवरब्रिज में सीढ़ियां बनीं हुई थीं। जिससे नागरिक आसानी से चढ़कर प्लेटफार्म पर पहुंच जाते थे। साथ ही बुकिंग ऑफिस के पास पैदल मार्ग भी बना हुआ था। जिससे विकलांग एवं बीमार यात्रियों को जल्द प्लेटफार्म पर पहुंचने में आसानी होती थी। लेकिन अब जो नए फुट ओवरब्रिज बनाए गए हैं, उसमें सीढ़ियों की जगह रैंप बनाए गए हैं। लेकिन यह ब्रिज घुमावदार बनाए जाने के कारण 20 मीटर की दूरी तय करने के लिए लगभग 80 मीटर तक चलना पड़ता है। इस तरह की सिढ़ियां बनाए जाने से एक ओर समय पर पहुंचनेवाले यात्रियों को घुमावदार सीढ़ियों को पार कर लगनेवाले समय के कारण ट्रेन पकड़ने में परेशानी होती है, वहीं दूसरी ओर विकलांग एवं बीमार यात्री इस पुल को पार करने में ही अपने आप को असमर्थ मानते हैं।

ई-रिक्शा की सुविधा भी नहीं

इस तरह के यात्रियों के लिए स्टेशन पर ई-रिक्शा की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। सामान्य यात्रियों को भी स्टेशन के अंदर पहुंचने और वहां से निकलने में भारी कसरत करनी पड़ती है। ऐसे में अनेक यात्री प्लेटफार्म से कूदकर पटरियां पार कर बाहर निकलने का प्रयास करते हैं। जान की जोखिम बनी रहती है। सामान्य नागरिकों ने रेल महाप्रबंधक बिलासपुर एवं मंडल रेल प्रबंधक नागपुर से नागरिकों की इस समस्या की ओर ध्यान देकर इसका स्थायी समाधान किए जाने की मांग की है।

आकाशीय बिजली गिरने से 5 हजार मुर्गियों की मौत

गोंदिया-सड़क अर्जुनी तहसील के रेंगेपार दल्ली में रविवार को आंधी और बिजली के साथ भारी बारिश हुई. इसी बीच पोल्ट्री फार्म पर आकाशीय बिजली गिरने से 5000 मुर्गियों और चूजों की मौत हो गई. जिससे पोल्ट्री मालिक को भारी नुकसान हुआ है.

रविवार की शाम आसमान बादलों से घिर गया. इसी समय रात में तेज हवा और बिजली के साथ जोरदार बारिश होने लगी. इसी बीच रात करीब 2 बजे रेंगेपार दल्ली में ताराचंद यशवंत डोंगरवार के पोल्ट्री फार्म पर आकाशीय बिजली गिर गई. जिसमें पांच हजार से ज्यादा मुर्गियां और उनके चूजों की मौत हो गई. उन्होंने इसकी जानकारी प्रशासन को दी तो स्थानीय तहसीलदार के आदेश पर पटवारी काले ने पंचनामा बनाकर 23 सितंबर को वरिष्ठों को सौंप दिया. इस घटना में डोंगरवार को लाखों रु. का नुकसान हुआ है और ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजा देने की मांग की है.

8 माह में 13,682 वाहन चालकों पर की कार्रवाई यातायात नियंत्रण विभाग का अभियान

गोंदिया-हालांकि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी यातायात नियंत्रण विभाग की है, लेकिन यह जिम्मेदारी गोंदिया शहर के बाहर के पुलिस थानों की भी है. आंकड़े बताते हैं कि गोंदिया शहर में यातायात उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सबसे ज्यादा कार्रवाई यातायात नियंत्रण शाखा द्वारा की जाती है. आठ माह में जिले में 13,682 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई है, इसमें यातायात नियंत्रण शाखा द्वारा 9029 कार्रवाई की गई है. सुरक्षित परिवहन के लिए नियम बनाए गए हैं, दुर्घटनाएं वहीं होती हैं जहां नियम टूटते हैं. इन हादसों में हर साल सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा देते हैं. यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है. गोंदिया शहर में यातायात नियंत्रण शाखा काम कर रही है, अन्य जगहों पर यह जिम्मेदारी पुलिस थानों की है. इसके तहत काम करने वाले ट्रैफिक कर्मी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं. जिले में आठ माह में हुई कार्रवाई के आंकड़ों पर गौर करें तो विभिन्न धाराओं के तहत 13 हजार 682 कार्रवाई की गई हैं. इसमें शहर में यातायात विभाग के 9 हजार 29 और जिले के पुलिस थानों के 4 हजार 653 कार्रवाई शामिल हैं.

60 लाख रु. का जुर्माना वसूला

जिले में परिवहन विभाग और पुलिस थानों द्वारा 13 हजार 682 कार्रवाई की गई है, जिसमें 60 लाख 74 हजार रु. का जुर्माना वसूला गया है. उल्लेखनीय है कि शहर में यातायात विभाग की गतिविधियां अधिक हैं, इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनका जुर्माना भी अधिक होगा.

अवैध शराब बिक्री बंद करने की मांग

नवेगांवबांध-अर्जुनी मोरगांव थानांतर्गत बाक्टी गांव के युवाओं ने गांव में शुरु अवैध शराब बिक्री बंद करने के लिए पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के को ज्ञापन सौंपा. पुलिस निरीक्षक ने गांव में पूरी तरह से शराब बिक्री को बंद करने का आश्वासन दिया. बाक्टी गांव में पिछले 50 वर्षों से अवैध शराब की बिक्री शुरु है. गांव में दिनोंदिन शराब विक्रेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है. काफी गंभीर समस्या होने के बावजूद भी पुलिस प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है. गांव में शराब आसानी से उपलब्ध हो जाने से नाबालिग भी इसके शिकार बन रहे हैं. जिसकी वजह से गांव में विवादों में वृद्धि हो रही है. गांव में कानून व सुव्यवस्था की समस्या खड़ी हो गई है. गांव के लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत परिणाम पड़ रहा है. व्यवसाय पर भी असर देखा जा रहा है. शराब की वजह से मारपीट करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है. इस समस्या को लेकर ग्रामवासियों ने अवैध शराब बिक्री पर पूरी तरह से पाबंदी लगाकर न्याय देने की मांग की है. ज्ञापन देते समय रुपेश मेश्राम, प्रवीण सांगोडे, गुलशन सांगोडे, शुभम मेश्राम, सचिन बोरकर, शशिकांत सांगोडे एवं एड. सूरज रंगारी उपस्थित थे.

गोंदिया में राज्य सरकार के खिलाफ शिक्षकों का मार्च

गोंदिया-स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों के सेट की मंजूरी और संविदा शिक्षकों की भर्ती के संबंध में लिया गया सरकारी निर्णय ग्रामीण आबादी और विद्यार्थियों के साथ अन्याय है, जिसके परिणामस्वरूप सरकार के दोनों निर्णयों को रद्द किया जाना चाहिए। इस मांग को लेकर राज्य के सभी (जिला परिषद स्कूल) जिला परिषद के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकगोंदिया में राज्य सरकार के खिलाफ शिक्षकों का मार्च आज 25 सितंबर को उन्होंने छुट्टी ली और विरोध प्रदर्शन किया, जबकि जिले के अधिकांश स्कूल बंद रहे, 300 से अधिक स्कूल ऐसे थे जिनमें शिक्षण कर्मचारी काम कर रहे थे। राज्य समन्वय समिति की ओर से विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई थी।मोर्चा कलेक्टर कार्यालय पहुंचा और सभा में तब्दील हो गया.मार्च में महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रभाव और संघ के शिक्षकों की संख्या अन्य संगठनों की तुलना में अधिक देखने को मिली, यह भी देखा गया कि प्राथमिक शिक्षक समिति, शिक्षक भारती संघ, शिक्षक सहकारी संघ, प्रगतिशील शिक्षक इस आंदोलन में एसोसिएशन ने भी हिस्सा लिया.

ये हैं प्रमुख मांगें

शिक्षकों द्वारा दिए गए बयान में उल्लिखित मांगों में सेट की मंजूरी के 15 मार्च 2024 के सरकारी निर्णय को रद्द करना, छात्र आधार कार्ड से संबंधित वास्तविक समस्याओं को देखते हुए आधार कार्ड आधारित शिक्षक पद निर्धारण नीति को रद्द करना, के निर्णय में संशोधन करना शामिल है। शिक्षक संघ से चर्चा कर शैक्षणिक कार्य करते हुए अविलंब विद्यार्थियों को नि:शुल्क पोशाक उपलब्ध करायी जाये तथा लागू की गयी पोशाक योजना को रद्द कर पुराने तरीके से ही पोशाक योजना लागू की जाये.।

शिरपुरबांध के आरटीओ चेकपोस्ट पर पकड़े गए धान से भरे ट्रकों को जांच के बाद छोड़ा

देवरी-देवरी पुलिस ने छत्तीसगढ़ राज्य में धान लेकर जा रहे पांच संदिग्ध ट्रकों को शिरपुरबांध के आरटीओ चेकपोस्ट समीप पर शनिवार, 14 सितंबर को पकड़ा था। ट्रकों में रखा धान शासकीय बोरियों में भरा हुआ था, जिससे पुलिस को संदेह हुआ, लेकिन पणन महासंघ एवं आदिवासी विकास महामंडल द्वारा की गई जांच के बाद पता चला कि, वह बोरे पुराने है, जिसके बाद ट्रकों को छोड़ दिया गया है। गौरतलब है कि देवरी स्थित उपविभागीय पुलिस अधिकारी विवेक पाटील गश्त पर थे। तभी देवरी तहसील से गुजरने वाले राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 53 पर स्थित शिरपुरबांध के आरटीओ चेकपोस्ट समीप धान लेकर 5 ट्रक एक के पीछे एक जाते हुए नजर आए। संदेह होने पर ट्रकों को रोककर जांच की गई। जिसमें धान भरा हुआ पाया गया था। इस संदर्भ में पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि ट्रक में लादे गए धान की बोरियों पर महाराष्ट्र शासन का मार्क लगा हुआ है। जिसके बाद मामले की गंभीरता से जांच की गई। दो ट्रक नवेगांवबांध से, एक ट्रक सौंदड़ से तथा दो ट्रक आमगांव से छत्तीसगढ़ राज्य की ओर जाने की जानकारी पुलिस को दी गई। जिले में फिलहाल रबी मौसम में आदिवासी विकास महामंडल के साथ ही जिला मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा खरीदी किया गया धान मिलिंग के लिए राइस मिल मालिकों को दिया जाता है। उक्त ट्रकों में रखे धान की जांच करने के बाद उन्हें छत्तीसगढ़ की ओर रवाना कर दिया गया है।

रोकने पर भी नहीं रुकती एसटी बस चिल्लर नहीं होने पर बस में प्रवेश नहीं

गोंदिया-कामठा-रावणवाडी-गिरोला मार्ग पर गोंदिया रापनि की चलने वाली बस रोकने पर नहीं रूकती है और बस सहचालक चिल्लर पैसे नहीं होने पर एसटी बस में प्रवेश नहीं दें रहा है. जिस वजह से यात्री इन दिनों आक्रोशित नजर आ रहे हैं. गोंदिया एसटी डिपो से गोंदिया-कामठा मार्ग पर चलने वाली सुबह की बस फेरियां इन दिनों रामभरोसे चल रही है और बस सहचालक अपनी मनमानी कर यात्रियों को परेशान कर रहे हैं. 24 सितंबर को गोदिया-कामठा-गिरोला बस सहचालक ने तो सभी हदें पार कर रावणवाडी से कामठा जाने वाले यात्रियों को चिल्लर पैसे नहीं होने से बस में प्रवेश नहीं दिया और खातिया में एक यात्री द्वारा गिरोला जाने के लिए खातिया बस स्टैंड पर रोकने का प्रयास किया गया लेकिन बस नहीं रोकी गई. गोंदिया डीपो से इस मार्ग पर चलने वाली सुबह की बसों पर एसटी गोंदिया के आला-अधिकारियों का नियंत्रण नहीं होने से बस सहचालक अपनी मनमानी कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि कामठा-गिरोला- रावणवाडी मार्ग से प्रति दिन स्कूल और महाविद्यालय के बस पास धारक छात्र आवागमन करते हैं. लेकिन कई बार बस स्टैंड पर बस नहीं रुकती. जिससे पासधारक छात्रों को निजी वाहन से आवागमन करना पड़ता है. कामठा- गिरोला-रावणवाडी के जागरूक नागरिकों ने महाराष्ट्र राज्य महामंडल के आला अधिकारियों से मांग की है कि इस मार्ग पर बस सहचालक की मनमानी से यात्रियों को छुटकारा दिलाएं.

2 महिलाओं ने की आत्महत्या

भंडारा-बीमारी से तंग आकर दो वृद्ध महिलाओं ने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली. पहली घटना में 92 वर्षीय महिला ने सीने सीने की की बीम बीमारी के कारण कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली. यह घटना मंगलवार 24 सितंबर की रात में चांदोरी मालीपार में घटी. मृतक का नाम पोहरा तुळशीराम कागदे (92) है. पोहरा पिछले 2 साल से सीने की बीमारी से पीड़ित थीं. इससे तंग आकर मंगलवार को उसने ग्राम पंचायत के कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली. कारधा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. एक अन्य घटना में उसर्ला की पूरवंताबाई चौतू परिहार (82) ने मंगलवार 24 सितंबर को गांव के एक सार्वजनिक कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली. मृतिका पुरवंताबाई को अस्थमा और गले की बीमारी थी. इससे तंग आकर उसने गांव के सार्वजनिक कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली.

गाली-गलौज कर की मारपीट

गोंदिया-शहर थाने के तहत मनोहर चौक निवासी फिर्यादी राधेश्याम मंगलचंद अग्रवाल (62) अपने गोदाम में सामग्री व ईंटों का निरीक्षण करने गया था. इसी बीच 11 लोगों ने गैर कानूनी जमावड़ा कर दंगा किया. वहीं आरोपी क्र. 5 ने गाली-गलौज कर लात-घुसों से मारपीट की. आरोपी क्र. 6 ने मारने की धमकी दी. बाकी आरोपियों ने गाली-गलौज कर मारने की धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के लिए 569 वरिष्ठ नागरिकों का चयन

गोदिया-मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत गोंदिया जिले के 569 वरिष्ठ नागरिकों के प्रस्ताव पालकमंत्री धर्मराव बाबा आत्राम की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा मंजूर किए गए हैं। अब यह नागरिक जल्द ही तीर्थ यात्रा पर जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत जिले के 60 वर्ष एवं उससे अधिक आय के नागरिक भारत के विविध तीर्थ क्षेत्रों की यात्रा करेंगे। राज्य के सभी धर्म के वरिष्ठ नागरिकों की विविध तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन करने की इच्छा पूरी करने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना राज्य सरकार ने प्रारंभ की है। इस योजना के अंतर्गत गोंदिया जिले से वैष्णवदेवी मंदिर कटरा (जम्मु कश्मीर) के लिए 136, श्रीराम मंदिर अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के लिए 240, महाबोधी तीर्थ क्षेत्र गया (बिहार) के लिए 26, विठोबा पंढरपुर तीर्थ क्षेत्र के लिए 32, तिरुपति बालाजी तीर्थ क्षेत्र के लिए 17, द्वारकाधीश तीर्थ क्षेत्र के लिए 7, काशी विश्वनाथ तीर्थ क्षेत्र के लिए 45, गंगोत्री मंदिर उत्तर काशी के लिए 2, महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन के लिए 10, साईं बाबा देवस्थान शिरडी के लिए 8, सिद्धि विनायक मंदिर के लिए 5, केदारनाथ के लिए 3, अजमेर दरगाह के लिए 3, जगन्नाथ पुरी के लिए 1 एवं रामेश्वरम तीर्थ क्षेत्र के लिए 1 इस तरह कुल मिलाकर 16 तीर्थ क्षेत्रों की यात्रा के लिए कुल 569 नागरिकों का चयन किया गया है। उपरोक्त योजना का लाभ उठाने के लिए 60 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के वरिष्ठ नागरिकों से प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आव्हान समाज कल्याण विभाग गोंदिया के सहायक आयुक्त विनोद मोहतुरे ने किया है।

शैक्षणिक शुल्क से हटी क्रीमीलेयर की शर्त

ओबीसी विद्यार्थियों को विधायक परिणय फुके ने दिलवाई बड़ी राहत

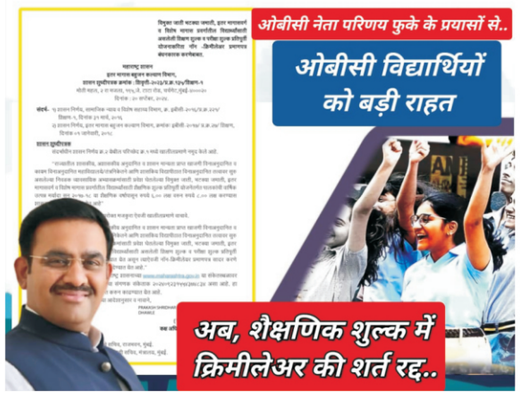

बुलंद गोंदिया। राज्य में सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त और सरकारी मान्यता प्राप्त निजी गैर-सहायता प्राप्त और स्थायी गैर सहायता प्राप्त महाविद्यालयों/तकनीकी महाविद्यालयों एवं सरकारी विश्वविद्यालयों में गैर सहायता प्राप्त आधार पर चल रहे चयनित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकित अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), भटक्या जाती, विमुक्त जाती अनुसूचित जात एवं विशेष पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत अभिभावकों को प्रति वर्ष की मर्यादा 6 लाख रु. से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दी थी। आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी विद्यार्थियों पर 8 लाख रुपये की वार्षिक उत्पन्न की मर्यादा को क्रीमीलेयर के तहत लादकर उन्हें शिक्षण से वंचित करने का कार्य किया जा रहा था।

ओबीसी विद्यार्थियों के इस मामले पर राज्य के पूर्व मंत्री, वर्तमान विधायक तथा ओबीसी नेता डॉ. परिणय फुके लगातार ओबीसी के हक के लिए सरकार के समक्ष आवाज उठाते आ रहे है। चाहे मुद्दा ओबीसी के स्थायी छात्रवास का हो या फिर विद्यार्थियों के शैक्षणिक शुल्क पर क्रीमीलेयर की शर्त का, वे निरंतर इसके समाधान के लिए संघर्ष करते रहे है।

तत्कालीन राज्य सरकार ने वर्ष 2017-18 में ओबीसी विद्यार्थियों पर लादी गई शैक्षणिक शुल्क पर क्रीमीलेयर की शर्त के तहत सालाना आय 6 लाख से 8 कर दी थी। इसी क्रीमीलेयर के निर्णय को रद्द कर नॉन क्रीमीलेयर की शर्त लागू करने हेतु उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से बार बार भेंट कर ओबीसी विद्यार्थियों को राहत देने की मांग की थी। आखिरकार राज्य सरकार ने ओबीसी नेता डॉ. परिणय फुके की ओबीसी हित की मांग पर उस क्रीमीलेयर के निर्णय को समाप्त कर बड़ी राहत दी है। नए सुधारित निर्णय के तहत अब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), विमुक्त जाती, भटक्या जमाती के विद्यार्थियों को नॉन क्रीमीलेयर के दायरे में लाकर उन्हें इसका प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने का निर्णय दिया है। सरकार के इस निर्णय पर लाखों ओबीसी विद्यार्थियों में खुशी की लहर देखी जा रही है। उन्होंने पूर्व मंत्री डॉ. परिणय फुके द्वारा आवाज उठाने और उसका समाधान करने पर उनका आभार व्यक्त किया।

इलाज के दौरान 2 लोगों की मौत

भंडारा-जहरीली दवा खाने से दो लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई. पहली घटना में 65 वर्षीय महिला की मंगलवार 24 सितंबर को जिला सामान्य अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. मृतक महिला का नाम शिवनी मोगरा निवासी शारदाबाई मधुकर हारगुडे है. रविवार 22 सितंबर को शारदाबाई ने जहर खा लिया था. उन्हें आगे के इलाज के लिए जिला सामान्य अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया. मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. लाखनी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. एक अन्य घटना में हिवारा निवासी 29 वर्षीय युवक की जहर खाने से इलाज के दौरान मौत हो गई. हिवरा निवासी मोहनीश संजय टेंभरे (29) ने सोमवार 23 सितंबर को जहर खा लिया था. उन्हें इलाज के लिए तुमसर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. तुमसर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है.

निकट भविष्य में मंदिर परिसर को भव्य बनाने के लिये किये जायेंगे प्रयास : पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते गोंदिया शहर प्रभाग क्रं. 04 में 20 लाख रू. लागत से निर्माणाधीन श्री जगन्नाथ मंदिर गर्भगृह निर्माण का शिलान्यास संपन्न

गोंदिया- पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयासों से 20 लाख रु. लागत से गोंदिया शहर स्थित प्रभाग क्रं.04 में श्री जगन्नाथ मंदिर के नवनिर्मित गर्भगृह के निर्माण का भुमिपुजन पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के शुभ हस्ते जगन्नाथ मंदिर समिती के डॉ. दीपक बाहेकर, मंदिर समिती के संरक्षक बी. बी. साहु, कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, सचिव व्ही. बी. गणनायक, अमित झा, मनोज पटनायक, आलोक मोहंती विजेन्द्र बरोडे, सचिन चौरसिया, धर्मिष्ठा सेंगर, रतन वासनिक, अंकित जैन, श्रीकांत चांदुरकर आदि की प्रमख उपस्थित में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थितों को संबोधित करते हुए पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, श्री जगन्नाथ मंदिर के नवनिर्मित गर्भगृह को प्रभु के चरणों में समर्पित करते हुए अत्याधिक आनंद हो रहा है। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु संपूर्ण विश्व के स्वामी है तथा उनकी महिमा अपरम्पार है, जिसे श्रद्धालु पुरे मन से स्वीकार करते है। उड़ीसा के जगन्नाथ मंदिर का महत्व श्रद्धालुओं के बीच इतना व्यापक है की उनकी रथयात्रा को खींचने का सौभाग्य प्राप्त करने के लिए पुरी (उड़ीसा) में प्रतिवर्ष लाखों लोग एकत्रित होते है। गोंदिया में श्री जगन्नाथ महाप्रभु के अनुयायीयों द्वारा पिछले कुछ वर्षों से सफलतापूर्वक रथयात्रा का सफल आयोजन हो रहा है और अब उसी दिशा में एक कदम आगे बढ़कर भक्तों ने भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु के नवनिर्मीत गर्भगृह का निर्माण हुआ है तथा निकट भविष्य में मंदिर परिसर को भव्य बनाने के प्रयास किये जायेंगे । उन्होंने आगे कहा की गोंदिया शहर में हर धर्म हर वर्ग के लोग निवास करते है तथा आपसी भाईचारे और एक-दुसरे के धर्मों के प्रती आपसी सद्भावना रखते है, जिसकी वजह से गोंदिया के सौहार्दपूर्ण वातावरण की मिसाल चारों ओर दी जाती है। इसी कड़ी के रुप में भगवान श्री जगन्नाथ का यह मंदिर सामाजिक एकता की मिसाल बने तथा यहां आनेवाले प्रत्येक श्रद्धालु की मनोकामना पूर्ण हो जिससे हमारे क्षेत्र के गौरव में वृद्धी हो सके इस अवसर पर समारोह के अध्यक्ष डॉ. दीपक बाहेकर ने कहा कि, पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयासों से श्री जगन्नाथजी के मंदिर में गर्भगृह का नवनिर्माण संपन्न हुआ है। मंदिर परिसर के विकास के लिये पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के प्रयास सराहनीय रहे है तथा उनके प्रयासों से मंदिर परिसर संवर रहा है। मंदिर समिती के संरक्षक बी.बी.साहु, कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, सचिव व्ही. बी. गणनायक, धर्मिष्ठा सेंगर, सचिन चौरसिया ने भी अपने उद्?गार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन मंदिर समिती से जुड़े अपूर्व अग्रवाल एवंम आभार प्रदर्शन आलोक मोहंती ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन एवंम परिसर के नागरीक बंधु उपस्थित थे।

मिलों से निकलने वाली राख हाईवे पर फेंक रहे नागरिकों की आंखों के लिए बनते जा रही खतरा

गोरेगांव-गोरेगांव-गोंदिया राष्ट्रीय महामार्ग पर सफर करना नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है. गणखैरा से लेकर मिलटोली तक आंखों में राख जाने की समस्या निर्माण हो रही है. उल्लेखनीय है कि गड़चिरोली के सांसद नामदेवराव किरसान के इंटरनेशनल स्कूल के ठीक सामने राइस मिलो से निकलने वाली राख फेंकी जाती है जो हवा से उड़कर नागरिकों के आंखों में जा रही है. प्रतिदिन सैकड़ों नागरिकों को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा हैं. लेकिन प्रशासन इस गंभीर विषय पर ध्यान नहीं दे रहा है. जानकारी के अनुसार गोरेगांव- गोंदिया हाईवे पर सफर करना अब आंखों के लिए खतरा बन गया है. यहां बड़ी संख्या में राइस मिले है. जिसमें प्रतिदिन इन मिलों से बड़े पैमाने पर राख (ऐश) निकलती है. लेकिन मिल मालिक इसे कहीं दूर खाली जगहों पर ना फेंकते हुए इसे राष्ट्रीय महामार्ग के आस पास ही फेंक देते हैं. ग्रामपंचायत तुमखेड़ा तथा गणखैरा की हद में यह ऐश फेंकी जाती है. जिससे ग्रामीणों को भी इस ऐश से परेशानियां होती है. लेकिन ग्राम पंचायत कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. वर्षों से किरसान इंटरनेशनल स्कूल के ठीक सामने राख (ऐश) फेंकी जा रही है, जो अब एक खदान का रूप ले ली है.

स्कूली छात्रों की बढ़ी परेशानी

हवा चलने पर यह ऐश नागरिकों के आंखों में जा रही है. साथ ही इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों के लिए भी यह एक परेशानी बन गई है. यह राख नागरिकों के आंखों के लिए खतरा बनी हुई है. स्थानीय ग्राम पंचायत के साथ ही जिला प्रदूषण विभाग भी इस गंभीर विषय को अनदेखी करने में लगा हुआ है. राष्ट्रीय हाईवे पर नागरिक वर्षों से इस समस्या को झेल रहे हैं. इस समस्या के चलते अनेक सड़क दुर्घटनाएं होते आ रही हैं. लेकिन प्रशासन का ध्यान इस विषय पर नहीं है.

जिले में 104 आदिवासी गांवों का होगा कायाकल्प

चलेगा प्रधानमंत्री जनजातिय उत्थान ग्राम अभियान

गोंदिया-केंद्रीय मंत्रीमंडल ने प्रधानमंत्री जनजातिय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दे दी है और केंद्र सरकार ने सुदूर और अति दुर्गम इलाकों में रहने वाले आदिवासी भाइयों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातिय उन्नत ग्राम अभियान को हरी झंडी दे दी है. जिससे देश के 63 हजार और महाराष्ट्र के 32 जिलों के 4 हजार 967 आदिवासी गांवों का कायापलट होगा. इसमें गोंदिया जिले की आठ तहसीलों के 104 आदिवासी गांव शामिल हैं, आदिवासी भाइयों का सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण किया जाएगा. इस अभियान के लिए आवश्यक निधि केंद्र और राज्य सरकारों से उपलब्ध कराई जाएगी. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने साल 2024-25 के बजट सत्र में जनजातिय उत्थान ग्राम अभियान की घोषणा की थी. 18 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रीमंडल बैठक में इस अभियान को मंजूरी दे दी गई है. यह अभियान अक्टूबर के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है. पीएम-जनमन अभियान में 17 संलग्न मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 25 विभिन्न पहल शामिल होंगी. सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका के बीच के अंतर को भरने का प्रयास किया जाएगा. साथ ही जनजातिय क्षेत्रों और समुदायों के समग्र और सतत विकास पर जोर दिया जाएगा. जिलों को मिलेगा पुरस्कार प्रधानमंत्री जनजातिय उन्नत ग्राम अभियान में भाग लेने वाले प्रत्येक मंत्रालय पर अगले पांच वर्षों में निश्चित उद्देश्य को साध्य करने के लिए अनुसूचित जनजातियों का विकास कृति प्रारुप तैयार कर उपलब्ध निधि द्वारा उनसे संबंधित योजना कालबाह्य पध्दति से कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी होगी. इस बीच इस अभियान के तहत शामिल आदिवासी गांवों को संबंधित विभाग द्वारा पीएम गति शक्ति पोर्टल पर संबंधित विभाग द्वारा उनकी योजना से मैप किया जाएगा. पोर्टल की भौतिक वित्तीय प्रगति का परिक्षण किया जाएगा. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों को पुरस्कार दिया जाएगा.

32 जिले होंगे शामिल 8 तहसीलों का समावेश उन्नत ग्राम अभियान को मिली मंजूरी

केंद्र सरकार ने सुदूर और अति दुर्गम इलाकों में रहने वाले आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातिय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दे दी है. इसमें गोंदिया जिले की आठ तहसीलों के 104 आदिवासी गांव शामिल हैं. पीएम-जनमन अभियान में 17 मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 25 विभिन्न गतिविधियां शामिल होंगी. प्राप्त निधि से आदिवासी क्षेत्रों और समुदायों के समग्र और सतत विकास पर जोर दिया जाएगा. इसमें आदिवासी समुदाय का सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण किया जाएगा.

- उमेश काशिद, प्रकल्प अधिकारी, देवरी

पुर्व विधायक राजेन्द्र जैन के हस्ते विविध विकास कार्यों का किया शुभारंभ

गोंदिया-पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हाथों कुड़वा ग्रा.पं. कार्यालय में समाज कल्याण सभापति पूजा सेठ के माध्यम से जि.प.निधि अंतर्गत मंजूर 40 लाख रु. के विविध विकास कामों का भूमिपूजन व स्वर्गरथ का हस्तांतरण किया गया. इस दौरान समाज कल्याण सभापति सेठ, सरपंच बालकृष्ण पटले आदि उपस्थित थे. इस दौरान पूर्व विधायक जैन ने कहा कि सांसद प्रफुल्ल पटेल बगैर कोई राजनीतिक भेदभाव के जिले के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव कटिबद्ध हैं. कुड़वा में मेडिकल कॉलेज लाने, आम नागरिक, किसान, माता-बहनों व युवाओं की समस्याओं को हल करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे. सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन समय की मांग है. इसके लिए महायुति सरकार ने समाज के विविध घटकों के लिए जनकल्याणकारी विविध योजनाएं शुरु की हैं. इस दौरान कमलनाथ फरदे, अखिलेश सेठ, पन्नालाल डहारे, संदीप कडूकर, कीर्ति पटले, उपेंद्र पारधी, ओमप्रकाश हरिणखेड़े, दिलीप गौतम, अनिल जगनित, अलका शेंडे, सुंदरी तांडेकर, गीता चौधरी, शांतकला लटाये, योगेंद्र बिसेन, प्रदीप ठाकरे, हेमंतकुमार हीरापुरे, संजय शेंडे, शैलेश वासनिक, पवन पटले, उपासराव कोठेवार, प्रकाश चिर्वतकर, विशाल भस्मे, नितिन पटले, प्रकाश दमाहे, घनश्याम पटले व नूतन पटले समेत पार्टी पदाधिकारी व नागरिक उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन अखिलेश सेठ व आभार प्रदर्शन कीर्ति पटले ने किया.

शातिर आरोपी किया गया तड़ीपार

गोंदिया-देवरी पुलिस स्टेशन में 12 मामले दर्ज होनेवाले मस्कर्या चौक देवरी निवासी शातिर अपराधी राजा सुदर्शन भारती (40) को तीन माह के लिए देवरी उपविभाग अंतर्गत आनेवाले देवरी, आमगांव एवं सालेकसा तहसीलों से तड़ीपार करने का निर्णय उपविभागीय अधिकारी तथा उपविभागीय दंडाधिकारी ने लिया है।

शातिर अपराधी राजेश उर्फ राजा सुदर्शन भारती के खिलाफ देवरी पुलिस स्टेशन में जुआ खेलने, चोरी, शराब पीकर अश्लील गालीगलौज करने, घातक हथियारों से डराकर मारपीट करने एवं धमकी देने जैसे 12 गंभीर मामले दर्ज हैं। जिसके कारण सामान्य नागरिकों में दहशत का वातावरण निर्माण हो गया था। सार्वजनिक शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की उद्देश्य से पुलिस द्वारा उसके खिलाफ तड़ीपार की कार्रवाई प्रस्तावित की गई थी। जिसे उपविभागीय पुलिस अधिकारी की जांच रिपोर्ट के बाद उपविभागीय अधिकारी तथा उपविभागीय दंडाधिकारी कविता गायकवाड़ ने मंजूरी प्रदान कर उसे तीन माह के लिए देवरी उपविभाग तथा आमगांव एवं सालेकसा तहसील से तड़ीपार करने के निर्देश दिए। जिसके आधार पर कार्रवाई कर उसे घोषित क्षेत्र की सीमा से बाहर कर दिया गया है।

शौचालय के अभाव में भटक रहे लोग-जनप्रतिनिधि भी समस्या के समाधान में विफल

गोंदिया-नगर परिषद सीमा के भीतर सार्वजनिक स्थलों पर शौचालय नहीं होने से नागरिकों को भारी परेशानी हो रही है. विशेष बात यह है कि स्कूली छात्राओं और महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इसके समाधान के लिए जनप्रतिनिधि व नप प्रशासन विफल हो रहा है. जबकि गोंदिया शहर में सार्वजनिक स्थानों पर काफी संख्या में सरकारी जगह हैं. फिर भी ऐसे स्थानों पर शौचालय क्यों नहीं बन रहे हैं ? ऐसा सवाल नागरिकों द्वारा किया जा रहा है. गोंदिया नगर परिषद के अंतर्गत आने वाले शहर की आबादी डेढ़ लाख से अधिक है. जिले का मुख्यालय व मुख्य बाजार होने के कारण यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में पुरूष, महिलाएं, स्कूली छात्र व आम नागरिक आते-जाते हैं. शहर के जयस्तंभ चौक पर एक बस स्टैंड है और वहां से प्रतिदिन सैकड़ों महिलाएं और छात्राएं एसटी बसों और अन्य निजी वाहनों से यात्रा करती हैं. इसके अलावा, नागरिक शहर के कई सार्वजनिक स्थानों से जिले के अन्य स्थानों के साथ-साथ गोंदिया शहर के विभिन्न गांवों में भी जाते हैं. लेकिन शहर में सार्वजनिक शौचालय नहीं होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है. न्यायालय की गली से दुर्गंध इंदिरा गांधी स्टेडियम को छोड़कर शहर में कहीं भी शौचालय का निर्माण नहीं कराया गया है. विशेष बात यह है कि यहां के जयस्तंभ बस स्टैंड पर शौचालय नहीं है जबकि

रोजाना हजारों नागरिक यहां से यात्रा करते है. इसलिए प्रतिदिन इस बस स्टैंड के यात्री, नागरिक, व्यवसायी, जिला सत्र न्यायालय व प्रशासकीय भवन के बाजू की गली में लघुशंका के लिए जाते है. जिससे आने जाने नागरिकों को इस क्षेत्र में हर समय बदबू का सामना करना पड़ता है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।